राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
बिहार लोक भवन, पटना–800022

प्रेस–विज्ञप्ति

संख्या–129/2026

आपदा प्रबंधन में रोकथाम, तैयारी और जन–जागरूकता सबसे प्रभावी उपाय हैं– राज्यपाल

पटना 15 जुलाई, 2026 :– ''आपदा प्रबंधन का सर्वोच्च लक्ष्य शून्य जनहानि (Zero Casualty) होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य की प्राप्ति केवल आपदा आने के बाद राहत एवं बचाव कार्यों से नहीं, बल्कि व्यापक रोकथाम (Prevention), तैयारी और जन–जागरूकता के माध्यम से ही संभव है।''– यह बातें माननीय राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सय्यद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) ने बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से 'आपदा जोखिम न्यूनीकरण' पर सरदार पटेल भवन, पटना में आयोजित कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि किसी भी आपदा से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए पूर्व तैयारी सबसे महत्वपूर्ण है। यदि प्रशासन और समाज पहले से तैयार हों तो आपदा के समय त्वरित एवं प्रभावी प्रतिक्रिया दी जा सकती है और जनहानि को काफी हद तक रोका जा सकता है।

राज्यपाल ने आपदा प्रबंधन में जन–जागरूकता को सबसे महत्वपूर्ण तत्व बताते हुए कहा कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को आपदा के समय अपनाई जाने वाली सावधानियों और सुरक्षा उपायों की जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जागरूक नागरिक ही आपदा के प्रभाव को कम करने में सबसे बड़ी भूमिका निभा सकते हैं।

उन्होंने राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल, आपदा मित्रों तथा स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षित स्वयंसेवकों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि किसी भी आपदा में स्थानीय स्तर पर त्वरित प्रतिक्रिया अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने बालासोर रेल दुर्घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रारंभिक बचाव कार्यों में एसडीआरएफ एवं आपदा मित्रों ने उल्लेखनीय भूमिका निभाई थी।

राज्यपाल ने कहा कि वर्तमान समय में अर्ली वार्निंग सिस्टम आपदा प्रबंधन का अत्यंत प्रभावी साधन बन चुका है। उन्होंने कहा कि नेपाल से आने वाली नदियों के कारण उत्तर बिहार में प्रत्येक वर्ष बाढ़ की संभावना बनी रहती है। ऐसे में समय पर चेतावनी मिलने से अनेक लोगों की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने कार्यशालाओं में अर्ली वार्निंग सिस्टम, राज्य एवं जिला आपातकालीन परिचालन केन्द्रों तथा चेतावनी संदेशों के प्रभावी प्रसार पर विशेष बल देने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि बिजली गिरने की घटनाओं में भी समयपूर्व चेतावनी उपलब्ध रहती है, लेकिन स्थानीय स्तर पर उसे प्रभावी ढंग से लोगों तक पहुँचाने के लिए प्रशिक्षित मानव संसाधन और सक्षम जिला आपातकालीन परिचालन केन्द्र आवश्यक हैं।

आगे पृष्ठ 2 पर.....

राज्यपाल ने दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं एवं बच्चों जैसे संवेदनशील वर्गों की सुरक्षा पर विशेष बल देते हुए कहा कि आपदा प्रबंधन की प्रत्येक योजना में इनके लिए विशेष व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए।

उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि आपदा प्रबंधन केवल संसाधनों का नहीं बल्कि जागरूकता, प्रशिक्षण और समन्वित टीमवर्क का विषय है। उन्होंने कहा कि बड़े पैमाने की आपदाओं में एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, भारतीय सेना, वायुसेना, सिविल प्रशासन तथा अन्य एजेंसियों के बीच पूर्व समन्वय अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने भविष्य में आयोजित होने वाले संयुक्त अभ्यासों एवं कार्यशालाओं में भारतीय वायुसेना सहित अन्य संबंधित एजेंसियों की सहभागिता बढ़ाने का सुझाव दिया।

राज्यपाल ने राज्य आपातकालीन परिचालन केन्द्र, बिहार की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए कहा कि इसी स्तर की दक्षता जिला आपातकालीन परिचालन केन्द्रों में भी विकसित की जानी चाहिए, ताकि प्रत्येक जिला आपदा की स्थिति में प्रभावी कमान एवं नियंत्रण स्थापित कर सके।

समापन सत्र के उपरांत राज्यपाल ने प्रतिभागियों के साथ संवाद भी किया तथा उनके प्रश्नों का उत्तर दिया। एक सुझाव पर उन्होंने कहा कि कुलाधिपति होने के नाते वे राज्य विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर विद्यार्थियों में आपदा प्रबंधन संबंधी जागरूकता बढ़ाने का प्रयास करेंगे। विद्यालयों में नियमित मॉक ड्रिल आयोजित करने तथा ग्राम स्तर पर आपदा तैयारी को सुदृढ़ बनाने के सुझाव का स्वागत करते हुए राज्यपाल ने कहा कि आपदा प्रबंधन की वास्तविक सफलता तभी संभव है जब इसकी तैयारी समाज के सबसे निचले स्तर तक पहुँचे। राज्यपाल ने बताया कि भारत में मौसम संबंधी चेतावनी प्रणाली लगातार सुदृढ़ हो रही है तथा भारतीय मौसम विभाग द्वारा प्राप्त सूचनाओं को राज्य एवं जिला स्तर तक तत्काल उपलब्ध कराया जाता है। उन्होंने सेल ब्रॉडकास्ट तकनीक जैसी नई प्रणालियों का उल्लेख करते हुए कहा कि भविष्य में इससे चेतावनी संदेश और अधिक तेज़ी एवं प्रभावशीलता से आम लोगों तक पहुँचाए जा सकेंगे। उन्होंने नागरिक सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि बदलते सुरक्षा परिदृश्य में प्रशिक्षित नागरिक स्वयंसेवकों एवं सामुदायिक तैयारी का महत्व लगातार बढ़ रहा है।

कार्यक्रम को बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ० उदय कांत मिश्र एवं राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान के कार्यपालक निदेशक श्री मधुप व्यास ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्यगण, बिहार के पुलिस महानिदेशक श्री विनय कुमार, आपदा प्रबंधन विभाग के प्रधान सचिव श्री संतोष कुमार मल्ल एवं अन्य पदाधिकारीगण, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान के पदाधिकारीगण तथा अन्य लोग उपस्थित थे।

.....